संपादकीय

कानून का मखौल

उत्तर प्रदेश की उन्नाव जेल में संगीन अपराधों में बंद अपराधियों द्वारा जेल में दारू-पार्टी करते हुए हथियार लहराने का मामला हो या फिर मध्यप्रदेश में भाजपा विधायक आकाश विजयवर्गीय द्वारा बैट से नगर निगम अधिकारी की पिटाई का मामला हो, निष्कर्ष यही है कि जिनका दायित्व कानून व्यवस्था को बनाये रखना है, वे ही कानून तुड़वाते-तोड़ते नजर आ रहे हैं। लुधियाना सेंट्रल जेल में एक हवालाती की मौत के बाद उग्र कैदियों द्वारा हिंसा का तांडव व गोलीबारी की घटना फिर बताती है कि जेलों में जेल अधिकारियों की नाकामी से जंगलराज कायम है। अब चाहे फरीदाबाद में हरियाणा कांग्रेस प्रवक्ता। विकास चौधरी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या करने की घटना हो या फिर सोनीपत में एक महीने से कम समय में ग्यारह हत्याएं होने का आंकड़ा हो, सब घटनाएं कानून के रखवालों की नाकामी ही दर्शाती हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अपनी नाकामी छिपाने के लिए जिम्मेदार अधिकारी जो तर्क देते हैं, वे गले नहीं उतरते। उन्नाव जेल के जेलर अपराधियों की पार्टी व हथियार लहराने पर सवाल पूछे जाने पर बेहूदा जवाब देते हैं कि बोतल में शराब नहीं, तेल था और पिस्टल गत्ते की बनायी गयी थी। अब सवाल उठता है जब जेल में गत्ते की पिस्टल बनायी गई तो क्रॉप्ट का सामान भी तो बाहर से ही मंगवाया गया होगा। एक बात तो साफ है कि जेल व्यवस्था में काली भेड़ें मौजूद हैं, जो अपराधियों के लिये शराब-कबाब जेल के भीतर मुहैया करा रही हैं। आखिर हथियार जेल के भीतर अपराधियों तक कैसे पहुंचे जेल में वह मोबाइल अपराधियों तक कैसे पहुंचा, जिसके जरिये जेल में हुई पार्टी का वीडियो बनाया गया आखिर जेल के भीतर से अपराधी कैसे सरकार को चुनौती दे सकते हैं जाहिर-सी बात है कि विभाग के ही कुछ लोग मोटी कमाई के लालच में जेल के भीतर अपराधियों के लिये पार्टी आयोजित करने में मदद करते हैं।

जेलर महोदय से पूछा जाना चाहिए कि यदि जेल में कुछ हुआ ही नहीं तो घटनाक्रम के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश शासन ने बड़े पैमाने पर जेल प्रशासन में फेरबदल क्यों किये भले ही जेल विभाग दावा करता रहे कि तबादले शासन की स्थानांतरण नीति व प्रशासनिक आधार पर किये गये हैं, मगर सच यही है कि राज्य में उन्नाव समेत 21 जेलरों और 44 डिप्टी जेलरों के तबादले हुए हैं। सवाल राज्य सरकार पर भी उठता है कि क्यों किसी घटनाक्रम के सामने आने के बाद तंत्र जागता है क्या सरकार का अपना खुफिया तंत्र नहीं है जो जेलों के भीतर के काले कारनामों को समय रहते नाकाम कर सके। यह एक खतरनाक चूक है जो यह भी आशंका व्यक्त करती है कि अपराधी जेल के भीतर से भी अपना काला साम्राज्य चला सकते हैं। इसी तरह फरीदाबाद में कांग्रेस प्रवक्ता। की हत्या पर यह दलील कि उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। क्या ऐसा होने पर उसकी हत्या को जायज मान लिया जाना चाहिए क्या यह कानून व्यवस्था का प्रहसन नहीं है ये हालात हमारी बद से बदतर होती कानून व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कम करते हैं–वह भी भाजपा के सुशासन व कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने के दावों के बीच। यही स्थिति कमोबेश मध्यप्रदेश के इंदौर में भाजपा विधायक आकाश विजयवर्गीय के बारे में कही जा सकती है कि कानून बनाने की बिरादरी के लोग क्यों कानून तोड़ने लगे एक अधिकारी की भी अपनी गरिमा व मानव अधिकार होते हैं, कैसे कोई जिम्मेदार व्यक्ति उसकी बैट से पिटाई कर सकता है यदि विधायक ही कानून तोड़ने लगेंगे तो आम आदमी से फिर क्या उम्मीद की जाये कहा जा रहा है कि पार्टी आलाकमान ने विधायक के बाबत रिपोर्ट मांगी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि न्यायालय की तरह पार्टी आलाकमान भी विधायक पर सख्ती दिखाएगा।

विश्व कप 2019: इंग्लैंड से हार के लिए धोनी हैं जिम्मेदार? उठे सवाल

बर्मिंघम। IND vs ENG: वर्ल्ड कप 2019 में मेजबान इंग्लैंड के हाथों अपनी पहली पराजय का सामना करने बाद भारतीय क्रिकेट टीम का मध्यक्रम एक फिर आलोचना के केंद्र में आ गया है. इंग्लैंड द्वारा निर्धारित 50 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 337 रनों का विशाल लक्ष्य दिए जाने के बाद बैटिंग के लिए उतरी भारतीय टीम अपने उपकप्तान रोहित शर्मा की शानदार शतकीय (102) और कप्तान विराट कोहली की अर्धशतकीय (66) पारी के बावजूद 306 रन ही बना सकी और 31 रनों से हार गई. भारत के ऊपरी क्रम के आउट होने के बाद मध्यक्रम भी लड़खड़ा गया, जिसके कारण भारतीय टीम निर्धारित लक्ष्य पहुंचने में नाकाम रही. हार के बाद अब मध्यक्रम की आलोचना हो रही है और इन आलोचनाओं के केंद्र में पूर्व कप्तान एमएस धोनी और केदार जाधव की बैटिंग है. इंग्लैंड के खिलाफ हुए मैच में

धोनी और जाधव पर लक्ष्य का पीछा करने में इरादे की कमी के लिए आलोचना की जा रही है.

धोनी और केदार जाधव ने छठे विकेट के लिए नाबाद 39 रनों की साझेदारी की, लेकिन वे 338 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में भारत की मदद करने में असफल रहे. अंतिम पांच ओवरों में भारत को 14 रन प्रति ओवर की दर से 71 रनों की आवश्यकता थी. लेकिन न तो धोनी और न ही जाधव इस मौके पर कोई सकारात्मक पहल कर सके. वे रन रेट बढ़ने के लिए ज्यादातर एकल और डॉट बॉल में खेलते रहे. शायद इसी कारण भारत ने अंतिम पांच ओवरों में केवल 39 रन जोड़े और 31 रनों से मैच गंवा दिया.

इससे पहले भी धीमी रनगति को लेकर धोनी की आलोचना होती रही है लेकिन इस बार आलोचना करने वालों में पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ दोनों शामिल हैं. कमेंटेटर हर्षा भोगले, संजय मांजरेकर, नसीर हुसैन और सौरव गांगुली ने भी अंतिम ओवरों में इंग्लैंड के खिलाफ धोनी और जाधव की मंशा पर सवाल उठाए. महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भारत बनाम अफगानिस्तान में भी धोनी और जाधव की मंशा में कमी को भी उजागर किया था. अफगानिस्तान के खिलाफ धोनी ने 52 गेंदों में 28 रनों की पारी खेली थी, जिसने भारत के लिए रन-रेट को धीमा कर दिया था. इस पर तेंदुलकर ने कहा था कि केदार जाधव के साथ धोनी की साझेदारी धीमी थी और उनके पास सकारात्मक इरादे की कमी थी. मंगलवार को भारत का मुकाबला बांग्लादेश के साथ होने जा रहा है और कप्तान विराट कोहली टीम के मध्यक्रम में कुछ बदलाव कर सकते हैं.

पेट्रोल, डीजल के दाम लगातार 5वें दिन बढ़े

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में वृद्धि का सिलसिला सोमवार को लगातार पांचवें दिन जारी रहा। तेल विपणन कंपनियों ने फिर पेट्रोल का दाम दिल्ली में सात पैसे, कोलकाता में चार पैसे जबकि मुंबई और चेन्नई में पांच पैसे प्रति लीटर बढ़ा दिया है। वहीं, डीजल के भाव में दिल्ली में आठ पैसे, कोलकाता में पांच पैसे जबकि मुंबई और चेन्नई में छह पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हो गई है। देश की राजधानी दिल्ली में पांच दिनों में पेट्रोल 39 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है और डीजल का दाम भी पांच दिनों में 37 पैसे प्रति लीटर बढ़ गया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में सोमवार को पेट्रोल के दाम बढ़कर क्रमशः 70.44 रुपये, 72.67 रुपये, 76.11 रुपये और 73.15 रुपये प्रति लीटर हो गए। चारों महानगरों में डीजल के दाम भी बढ़कर क्रमशः 64.27 रुपये, 66.16 रुपये, 67.36 रुपये और 67.96 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं।

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर 100.50 रुपये हुआ सस्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। बिना सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर का दाम 100.50 रुपये प्रति सिलिंडर घट गया है। एक जुलाई से दिल्ली में घरेलू इस्तेमाल का सिलिंडर 637 रुपये में उपलब्ध होगा। तेल कंपनियों ने यह जानकारी दी है। बिना सब्सिडी वाले घरेलू सिलिंडर के बाजार मूल्य में कमी आने के साथ ही सब्सिडीयुक्त घरेलू सिलिंडर के लिये भी रिफिल लेते समय 100.50 रुपये कम देने होंगे। सब्सिडीयुक्त सिलिंडर के घरेलू उपभोक्ताओं को एक जुलाई से रिफिल प्राप्त होने पर 737.50 रुपये के बजाय 637 रुपये का भुगतान करना होगा।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन की रविवार को जारी रिलीज में यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम घटने और डॉलर-रुपया विनिमय दर में

आए बदलाव के प्रभाव स्वरूप एलपीजी सिलिंडर (14.2 किलो) के दाम में कमी आई है। नई दर एक जुलाई से प्रभावी होगी। सब्सिडीयुक्त रसोई गैस सिलिंडर के लिये उपभोक्ताओं को रिफिल लेते समय बाजार मूल्य पर भुगतान करना होता है।

उसके बाद सब्सिडी राशि उपभोक्ता के बैंक खाते में डाल दी जाती है। उपभोक्ताओं को एक साल में 12 सिलिंडर सब्सिडी पर मिलते हैं। एलपीजी सिलिंडर के मूल्य में आई ताजा गिरावट के बाद उपभोक्ता को 142.65 रुपये प्रति सिलिंडर की सब्सिडी राशि मिलने पर जुलाई 2019 में सिलिंडर की प्रभावी दर 494.35 रुपये बैठेगी।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ जून में मध्यम रही, पीएमआई 52.1

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के ग्रोथ की रफ्तार जून में मध्यम रही है। ग्रोथ की रफ्तार में यह कमी नए ऑर्डर की संख्या में वृद्धि कम रहने के कारण उत्पादन और रोजगारों के सृजन में कमी के चलते हुई है। आईएचएस मार्किट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जून में 52.1 रहा, जो मई में तीन महीने के उच्च स्तर 52.7 के मुकाबले कम है।

यह लगातार 23वां महीना है, जब मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 50

के आंकड़े से ऊपर रहा है। पीएमआई का आंकड़ा 50 से ऊपर रहने पर क्षेत्र में विस्तार, जबकि नीचे रहने पर संकुचन दर्शाता है।

आईएचएस मार्किट में प्रधान अर्थशास्त्री पॉलिना डे लिमा ने कहा, फैक्ट्री ऑर्डर्स, उत्पादन, रोजगार और निर्यात का स्तर में वृद्धि देखी गई, लेकिन घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय मांग में कमी आने से इन सबके ग्रोथ की रफ्तार में सुस्ती रही है। सर्वेक्षण के मुताबिक, उपभोक्ता वस्तुएं ग्रोथ का अहम स्रोत रही हैं, जिसके कारण बिक्री, उत्पादन एवं रोजगारों में वृद्धि दर्ज की गई। इंटरमीडियट गुड्स कैटिगरी में उत्पादन तथा नए ऑर्डर्स में मामूली वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन रोजगारों स्थिरता रही है।

मुंबई हेडक्वॉर्टर बेचना चाहते हैं अनिल अंबानी

मुंबई (आरएनएस)। कर्ज के बोझ तले दबे बिजनेसमैन अनिल अंबानी जल्द ही एक बड़ा कदम उठा सकते हैं। अनिल अंबानी मुंबई स्थित अपने हेडक्वॉर्टर को बेच सकते हैं या उसे लॉन्ग-टर्म लीज पर दे सकते हैं। इस बारे में

अनिल अंबानी ब्लैकस्टोन सहित कुछ ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी फर्मों के साथ बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि इस साइट को लेकर एक कानूनी विवाद है। सूत्रों का कहना है कि अंबानी दक्षिण मुंबई में अपने बैलार्ड एस्टेट ऑफिस में वापस जाने की योजना बना रहे हैं। अंबानी ने हाल ही में ईटी को बताया था कि 18 हजार करोड़ रुपये के कर्ज वाली रिलायंस कैपिटल कर्ज चुकाने की पूरी कोशिश कर रही है। ग्रुप की योजना इस वित्त वर्ष में कर्ज को 50 प्रतिशत तक घटाने की है।

आज का राशिफल

मेषः- आज परिवार के सदस्यों से पूर्ण सहयोग मिलेगा। धन प्राप्ति के अच्छे संयोग बने हैं। वाणी पर संयम बनाए रखें ताकि शुभ फल प्राप्त होता रहे।

वृषभः- पुरानी समस्याओं का अंत होगा। नौकरी में अधिकारियों से सहयोग एवं कार्य करने के लिए उत्साह बना रहेगा।

मिथुनः- खर्च और कर्ज आज आपकी चिंता का कारण बन सकता है इसलिए सोच-समझकर कार्य करें, अनावश्यक खर्च से बचें। कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं।

कर्कः- आज दिन मंगलमय बीतेगा। विशेष लाभ के योग बन रहे हैं। कार्यों की पूर्णता होगी। जोखिमपूर्ण निवेश में भी लाभ होगा।

सिंहः- आज दिनभर कार्य की व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान और यश में वृद्धि होगी। पूजा-पाठ से मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में सहयोग प्राप्त होगा।

कन्याः- आध्यात्मिक सुख एवं सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा। भाग्य आज आपका साथ देने के लिए तत्पर है। नए अवसर प्राप्त होंगे।

तुलाः- आज दूर की यात्रा न करें। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं। अजनबी लोगों पर भरोसा न करें वर्ना लेने के देने पड़ सकते हैं। माता-पिता के साथ मतभेद हो सकता है अथवा उनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिकः- आज आपको जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रिय व्यक्ति यों का साथ मिलेगा। शेयर में निवेश कर सकते हैं, लाभ होगा। मौज शौक के साधन तथा मनोरंजन के पीछे आज पैसे खर्च करेंगे।

धनुः- आज उन्नतिदायक दिन होगा। अचानक कोई शुभ समाचार या रुका हुआ धन प्राप्त होगा। शत्रु पराजित होंगे। घर में भाई-बहनों के साथ मेल-मिलाप रहेगा।

मकरः- मनोरंजन कार्य में समय अधिक व्यतीत होगा। बुद्धि-विवेक से सफलता आज आपके कदम चूमेगी। मित्रों, सगे-संबंधियों के साथ बाहर जा सकते हैं।

कुंभः- आज वाद-विवाद में न पड़ें अन्यथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखना अति आवश्यक है।

मीनः- आत्मविश्वास एवं पराक्रम वृद्धि के कारण सफलता प्राप्त होगी। मेहनत के अनुपात में लाभ प्राप्त होगा। बुजुर्गों और उच्च पदाधिकारियों की कृपादृष्टि रहने के कारण आप मानसिक रूप से किसी भी प्रकार के बोझ से मुक्त होंगे।

बीएसएनएल के सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे पुरवार

नईदिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने एमटीएनएल के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पी. के. पुरवार को तीन महीने की अवधि के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) का सीएमडी नियुक्त करने का फैसला किया है। यह नियुक्ति कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) की मंजूरी के बाद एक जुलाई से प्रभावी होगी। दूरसंचार विभाग (डीओटी) के एक आदेश में कहा गया है, 30-06-2019 को बीएसएनएल सीएमडी अनुपम श्रीवास्तव की सेवानिवृत्ति के बाद एक अंतरिम व्यवस्था के तहत और एसीसी की मंजूरी के अधीन, बीएसएनएल सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार एमटीएनएल के सीएमडी पी. के. पुरवार को सौंपा जा रहा है। यह 01-07-2019 से तीन महीने के लिए अगले सीएमडी की नियुक्ति तक या आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा।

पुरवार ने कहा, मैं सोमवार से चार्ज ले रहा हूं। जब तक मैं चार्ज न ले लूं और सभी तथ्यों के साथ मुद्दों को समझ न लूं, तब तक मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा कि मेरी प्राथमिकता क्या होगी। सूत्रों ने हालांकि कहा कि पुरवार की कोशिश दोनों संगठनों, बीएसएनएल और एमटीएनएल को दक्षता के साथ परिचालन में बनाए रखने की होगी।

दोनों ही संगठनों में कई दिक्कतें हैं और बीएसएनएल की समस्याएं अब जगजाहिर हो चुकी हैं जो गंभीर आर्थिक संकट का

सामना कर रहा है। जिस बात का सर्वाधिक महत्व है, वह यह है कि इन नेटवर्क को परिचालन में बनाए रखा जाए, राजस्व पैदा किया जाए और नेटवर्क को बनाया जाए ताकि जिस क्षण सरकार फोरजी स्पेक्ट्रम को देने की अवस्था में आए, सेवाएं तीव्र प्राथमिकता से दी जा सकें। सूत्रों ने कहा कि माना जा रहा है कि पुरवार डीओटी के निर्देशों का पालन करेंगे। अतिरिक्त कार्यभार संभालने के दौरान उन्हें कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा। पुरवार का चयन इस साल जनवरी में पब्लिक एंटरप्राइज सेलेक्शन बोर्ड (पीईएसबी) के द्वारा हुआ था।

मालरोट बनाने की विधि ...

स्वादिष्ट दराबादी मालरोट जो खाने मे काफी ही स्वादिष्ट होती है। इसे आप चटनी, अचार या फिर किसी सब्जीसंगसेवन कर सकते है।

सामग्री

रोट बनाने हेतु सामग्री, घी - एक कप, गाढ़ा दूध - एक कप, आटा या मैदा -1/2 किलोग्राम, केसर पत्तियां दूध में भीगी हुईं - 6 से 7, पानी - जरूरत के हिसाब से, नमक - स्वाद के मुताबिक

रोट बनाना

मालरोट का मसाला , लालमिर्च -1/2 छोटा चम्मच, कालीमिर्च - 1/2 छोटा चम्मच, चाट मसाला - एक छोटा चम्मच, भुना जीरा -1/2 छोटा चम्मच, पुदीना (सूखा पीसा)- 1/2 छोटा चम्मच, गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर - एक छोटा चम्मच, आमचूर -1/2 छोटा चम्मच, नमक -1/2 छोटा चम्मच

विधि -

- सर्वप्रथम स भी मसाले के वस्तुओं को मिलाकर मसाला तैयार कर लेवे। - घी, दूध, मैदा, नमक, केसर, पानी सभी को मिलाकर रोटी का आटा गूंथ लेवे एवं दस मिनट हेतु छोड़ देवे।

- तत्पश्चात रोटी बेल लेवे।

- अब रोटी पर बना मसाला डालिए एवं रोल कर लेवे। अब इस रोल को जलेबी की जैसे मोड़ लेवे।

- अब इसे हल्के हाथ से मोटा बेलकर कम आंच पर सेक लेवे।

शब्द सामर्थ्य- 12

बाएं से दाएं
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकूल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चाँद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

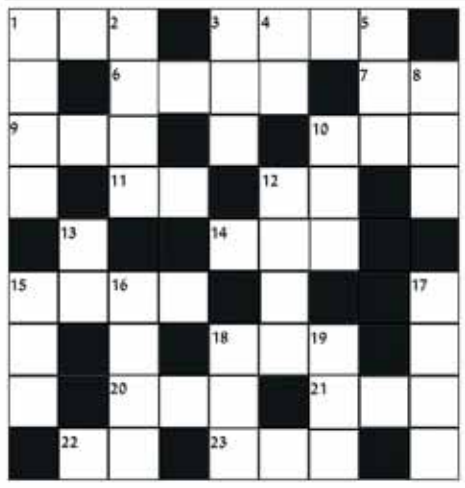

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 11 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 12

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 11 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7